039

015/DM/24

Register Number									

DEPARTMENTAL EXAMINATIONS

TRANSLATION TEST – SECOND PAPER – TRANSLATION OF NEWS PAPER REPORT IN HINDI TO ENGLISH

(Without Books)

Maximum Time : 2.30 hours

Maximum Marks : 100

Answer any FIVE questions. **(5 × 20 = 100)**

Each question carries 20 marks.

Marks will be deducted for bad handwriting.

Translate the following News Paper Reports into English :

1. **प्रवासियों ने दुनिया में भारत की अलग पहचान बनाई**

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का अमरीका पहुँचने पर भारतीय अमरीकी समुदाय ने जोरदार स्वागत किया। संयुक्त राष्ट्र साधारण सभा (यू एन जी ए) में शामिल होने के लिए मोदी तीन दिवसीय दौरे पर गुरुवार तड़के अमरीका पहुँचे हैं। पीएम बनने के बाद मोदी का यह सातवां व बाइडन के अमरीकी राष्ट्रपति बनने के बाद पहला दोरा है।

यहाँ उन्होंने एक होटल में भारतीय समुदाय के लोगों के साथ चर्चा की। उन्होंने ट्वीट किया, 'मैं गर्मजोशी से स्वागत के लिए वाशिंगटन डीसी स्थित भारतीय अमरीकी समुदाय का आभारी हूँ। भारतीय प्रवासियों ने जिस तरह दुनिया भर में अपनी अलग पहचान बनाई है, वह प्रशसनीय है'। पहले दिन मोदी की अमरीकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस से मुलाकात होगी।

अमरीका ने ऑकस समझौते में भारत व जापान को शामिल करने से इनकार कर दिया है। भारतीय प्रशांत क्षेत्र में चीन के कारण सुरक्षा व्यवस्था की चिंताओं को लेकर पिछले सप्ताह अमरीका, ऑस्ट्रेलिया व ब्रिटेन के बीच एक सैन्य गठबंधन बना है। इसके तहत अमरीका ऑस्ट्रेलिया को न्यूक्लियर पनडुब्बी तकनीक मुहैया करेगा।

[Turn over

2. **चुनाव व सुरक्षा पहलु याचिका पर आयोग से मांगा जवाब**

मद्रास हाईकोर्ट ने शुक्रवार को तमिलनाडु राज्य चुनाव आयोग को ग्रामीण स्थानीय निकाय चुनाव और सुरक्षा पहलुओं के संचालन के सम्बन्ध में प्रमुख विपक्षी दल एआईएडीएमके की याचिका पर जवाब देने का निर्देश दिया। ग्रामीण स्थानीय निकाय चुनाव कांचीपुरम, चेंगलपेट, तेनकाशी, कल्लकुरिची, रानीपेट, वेलूर, तिरुपत्तूर, विल्लुपुरम और तिरुनेलवेली जिलों में 6 और 9 अक्टूबर को होना है। मद्रास हाईकोर्ट की पहली पीठ में मुख्य न्यायाधीश संजीव बनर्जी और न्यायाधीश पी.डी. ऑदिकेशवलु ने तमिलनाडु चुनाव आयोग (टीएनएसईसी) को केंद्रीय और राज्य पर्यवेक्षकों की पोस्टिंग, केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती और ग्रामीण स्थानीय निकायों के लिए स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के सम्बन्ध में एआईएडीएमके के अनुरोध का जबाव देने का निर्देश दिया। अदालत ने 14 सितम्बर को एआईएडीएमके की चुनाव शाका के उपसचिव आईएस इनबदुरै द्वारा दायर एक याचिका को स्वीकार करते हुए राज्य चुनाव आयोग (एसईसी) को एक सप्ताह के भीतर याचिका पर जवाब देने का निर्देश दिया। पीठ ने कहा, 'एसईसी को आज से एक सप्ताह के भीतर 14 सितम्बर को प्रमुख विपक्षी दल एआईएडीएमके की याचिका का जवाब देना चाहिए'।

3. **वैज्ञानिक बोले – कभी रहा होगा मंगल ग्रह पर पानी, अब तरल रूप में मौजूद नहीं**

मंगल ग्रह पर पानी को लेकर अटकलें काफी समय से चल रही हैं। कुछ शोध में संकेत दिए गए थे कि मंगल पर आयन (एक तरह का अणु) की शक्ल में पानी हो सकता है, लेकिन वॉशिंगटन यूनिवर्सिटी की नई रिसर्च के मुताबिक मंगल पर फिलहाल पानी तरल रूप में मौजूद नहीं है।

इस रिसर्च से जुडे वैज्ञानिकों का मानना है कि इतिहास में कभी मंगल पर पानी रहा होगा, लेकिन वायुमंडल खत्म होने के साथ पानी का मिलना करीब-करीब नामुमकिन है। इन वैज्ञानिकों ने पोटैशियम के स्थिर आइसोटोप, रिमोट सेंसिंग और केमिकल विश्लेषन की मदद की। पानी जैसे पदार्थ की मंगल से गायब होने की गति को देखा गया। पता चला कि अब लाल ग्रह पर पानी नहीं है। टीम ने मंगल के उल्का पिंडों के अध्ययन में पाया कि मंगल से पानी और पोटैशियम गायब हो गए हैं। यह पृथ्वी की तुलना में ज्यादा तेजी से हुआ है। अध्ययन से जुडे वरिस्ट सदस्य प्रोफेसर कुंन वांग का कहना है कि मंगल के उल्का पिंड करोड़ों साल पहले के हैं। ये मंगल के विकास के इतिहास की कहानी सुनाते हैं। मंगल का आकार और द्रव्यमान ऐसा नहीं है कि वहाँ अब जीवन के लायक पानी बाचा हो।

4. **अम्मुंडी – ग्राम पंचायत भी करेगी चुनाव का बहिष्कार**

वेलूर ज़िले के काटपडी पंचायत संघ में अम्मुंडी ग्राम पंचायत के निवासियों ने मतदान का बहिष्कार करने का फैसला किया है। अम्मुंडी के निवासियों ने कहा कि वे चुनाव का बहिष्कार करेंगे और अपनी शिकायतों को उजागर करने के लिए अपने घरों के ऊपर काले झंडे भी लहराएंगेऽ एआईएडीएमके वेलूर शहरी जिला सचिव एसआरके अप्पू ने बताया, अम्मुंडी से किसी ने भी ग्रम पंचायत अध्यक्ष या पंचायत वार्ड के लिए नामांकन दाखिल नहीं किया है, लेकिन कुपथोमोत्तूर के निवासी मतदान करेंगे। हालांकि वन्नियर यहाँ प्रमुख समुदाय है। यह क्षेत्र एआईएडीएमके बेल्ट है और इसलिए एससी श्रेणी में आवंटित होने का कारण है। गुडियात्तम तालुक में मोथलपल्ली के निवासियों और युवाओं ने उम्मीदवारों को चेतावनी देते हुए एक विशाल बैनर लगाया है कि यदि वे सरकारी धन का दुरुपयोग करते हों तो सीएम और सीएम के विशेष प्रकोष्ठ को भेजी जानेवाली शिकायतों के अलावा उनके नाम सोशल मीडिया पर प्रचारित किए जाएंगे। बैनर में यह भी कहा गया है कि ग्राम सभाओं के दौरान खातों को प्रस्तुत किया जाना चारि और इसे आरटीआई प्रश्नों के साथ क्रॉस-चेक किया जाएगा। इस बीच कांग्रेस सूत्रों ने कहा कि दो बार वेलूर पंचायत संघ के अध्यक्ष सी के देवेंद्रन ने निर्दलीय के रूप में चुनाव लड़ने की योजना बनाई है। हालांकि एआईएडीएमके के सूत्रों ने खुलासा किया कि पूर्व मंत्री केसी वीरमणि के परिसरों पर डीवीएसी के छापे के बाद बहुत से उम्मीदवार पैसे खर्च करने को तैयार नहीं हैं।

5. **देश की स्वास्थ्य प्रणली में परिवर्तन का समय**

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार किसी भी स्वास्थ्य प्रणाली से ऐसे संगठन और लोग जुड़े होते हैं, जिनका प्राथमिक उद्देश्य स्वास्थ्य को बढ़ावा देना, बहाल करना या बनाए रखना है। स्वास्थ्य नीति के लक्षणों को चार बुनियादी कार्यों के माध्यम से प्राप्त किया जाता है। ये हैं स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करना, उन सेवाओं को खरीदने के लिए राजस्व जुटाना और आबंटित करना। साथ ही लोगों, इमारतों, उपकरणों, दवाओं और आपूर्ति में निवेश करके संसाधन बनाना। संसाधनों, शक्तियों और अपेक्षाओं के समग्र प्रबंधक के रूप में कार्य करना।

स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करने के लिए कार्यों को 'बिल्डिंग ब्लॉक्स' में विभाजित किया गया है, जिसे डब्ल्यूएचओ के स्वास्थ्य प्रणाली ढांचे के रूप में जाना जाता है। यह है सेवा वितरण, स्वास्थ्य, कार्यबल, सूचना, चिकित्सा उत्पाद, टीके तथा प्रौद्योगिकी, वित्तपोषण और नेतृत्व। करीब सवा अरब की आबादी तक स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध करवाना किसी भी भारत सरकार के लिए बडी चुनौती है। भारत की जिम्मेदारी है कि वह अपनी स्वास्थ्य प्रणाली को बदलने के लिए इन बिल्डिंग ब्लॉक्स का ध्यान रखे, खासकर महामारी के मद्देनजर। कोविड-19 महामारी के हाल के अनुभव ने स्पष्ट रूप से दर्शाया है कि भारत में एक मजबूत स्वास्थ्य प्रणाली के निर्माण की ज़रूरत है। इसके लिए प्राथमिक, माध्यमिक और तृतीयक देखभाल संस्थानों की एक एकीकृत प्रणाली आवश्यक है।

6. सर्दी की आहट वाले इस खुशनुमा मौसम को अगर खुशगवार और यादगार बनाना चाहते हैं तो महलों और किलों की राजधानी जयपुर से बेहतर कोई और जगह हो ही नहीं सकती। दिल्ली से सड़क मार्ग से जाते हुए जैसे ही शहर में प्रवेश करेंगे, आपको ऐसा अनुभव होगा, जैसे आमेर का भव्य किला आपके स्वागत के ही बना है। पहाड़ी की ऊँचाइयों पर बने इस खूबसूरत किले को देखकर आप राजपूताना भव्य स्थापत्य कला के कायल हो जाएंगे। सालों-साल पुराना हो जाने के बावजूद आज भी अपनी खूबसूरती की वजह से ये नएपन का अहसास कराते हैं। किले के नीचे ढेर सारे महावत अपने हाथियों को सजा-संवारकर आपको (पर्यटकों को) ऊपर किले तक पहुंचाने के लिए तैयार रहते हैं। हाथियों पर बैठकर किले के ऊपर जाते हुए आपको ऐसा अहसास होगा कि आप किसी राजघराने के राजकुमार है।